कानून और सामाजिक न्याय

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» बाजार में शोषण रोकने के लिए कानून

प्रश्न 1 (आसान). बाजार में शोषण का खतरा कब ज्यादा बढ़ता है?
उत्तर – जब ताकतवर लोगों की पकड़ ज्यादा हो और कमजोर लोगों की सौदेबाजी की हालत कमज़ोर हो।

प्रश्न 2 (आसान). minimum wage कानून का मुख्य लक्ष्य क्या है?
उत्तर – मजदूरों को तय न्यूनतम मजदूरी से कम पैसा न देना।

प्रश्न 3 (मध्यम). सरकार मजदूरों के अलावा consumers और producers के लिए भी कानून क्यों बनाती है?
उत्तर – ताकि बाजार में सभी के संबंध इस तरह चलें कि किसी का भी शोषण न हो और सामाजिक न्याय बना रहे।

प्रश्न 4 (कठिन). अगर कोई कानून हो लेकिन लागू न किया जाए, तो शोषण रोकने में क्या समस्या आ सकती है?
उत्तर – क्योंकि उल्लंघन करने वालों पर रोक/कार्रवाई नहीं होगी, इसलिए कमजोर लोग फिर भी शोषण का शिकार हो सकते हैं।

» न्यूनतम वेतन कानून–हक की गारंटी

प्रश्न 5 (आसान). न्यूनतम वेतन कानून का मुख्य उद्देश्य क्या है?
उत्तर – मजदूर को न्यूनतम से कम मजदूरी न देकर उसका हक सुरक्षित करना।

प्रश्न 6 (आसान). क्या न्यूनतम वेतन से कम मजदूरी देना कानूनन गलत है या सही?
उत्तर – गलत। न्यूनतम वेतन से कम मजदूरी नहीं दी जा सकती।

प्रश्न 7 (मध्यम). अगर महंगाई बढ़ रही है, तो न्यूनतम वेतन पर क्या असर पड़ता है (कानून के अनुसार)?
उत्तर – हर कुछ साल में न्यूनतम वेतन में बढ़ोतरी की जाती है।

प्रश्न 8 (कठिन). एक मजदूर को तय न्यूनतम वेतन से कम पैसा दिया गया। इस स्थिति में कौन-सा सामाजिक अन्याय हो रहा है, और कानून कैसे मदद करता है?
उत्तर – यह शोषण/कम भुगतान के कारण मजदूर का हक छिनना है। न्यूनतम वेतन कानून तय करता है कि न्यूनतम से कम मजदूरी नहीं दी जा सकती, इसलिए मजदूर का हक सुरक्षित होता है।

» मजदूर, उपभोक्ता और उत्पादक–तीनों की सुरक्षा के कानून

प्रश्न 9 (आसान). मजदूरों की सुरक्षा के लिए 'न्यूनतम वेतन' वाला कानून किस बात को तय करता है?
उत्तर – मजदूरी एक तय न्यूनतम राशि से कम नहीं हो सकती।

प्रश्न 10 (आसान). उपभोक्ता सुरक्षा में 'गुणवत्ता मानक' का मतलब क्या है?
उत्तर – सामान तय गुणवत्ता मानकों के अनुरूप होना चाहिए।

प्रश्न 11 (मध्यम). कारखानों से प्रदूषण/खतरनाक चीज़ें फैलाने पर कानून क्यों जरूरी है? एक कारण लिखो।
उत्तर – क्योंकि इससे लोगों का स्वास्थ्य और जीवन खतरे में पड़ सकता है, इसलिए नियमों से फैलाव रोका जाता है।

प्रश्न 12 (कठिन). मान लो किसी जगह बाल मजदूरी चल रही है और बच्चे खतरनाक काम में लगाए जा रहे हैं। इस स्थिति में लागू कानूनों का उद्देश्य क्या होगा?
उत्तर – बच्चों का शोषण रोकना, उन्हें खतरनाक काम से बचाना, और बाल श्रम पर रोक/प्रतिबंध लागू कराना।

» बाल श्रम रोकना–बच्चों का संरक्षण

प्रश्न 13 (आसान). 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का नियोजन किसके लिए प्रतिबंधित है?
उत्तर – सभी व्यवसायों में।

प्रश्न 14 (आसान). 14-18 वर्ष के किशोरों को किस तरह के काम में नियोजित करने पर प्रतिबंध है?
उत्तर – जोखिमकारी (खतरनाक) व्यवसायों और प्रक्रियाओं में।

प्रश्न 15 (मध्यम). क्यों कहा जाता है कि बच्चों/किशोरों का नियोजन 'संज्ञेय अपराध' है?
उत्तर – क्योंकि यह सिर्फ सामान्य गलती नहीं, कानून में गंभीर अपराध माना गया है और कार्रवाई/जांच की प्रक्रिया सख्ती से लागू होती है।

प्रश्न 16 (कठिन). मान लो एक व्यक्ति शिकायत नहीं करता, तो बाल श्रम कैसे रुकेगा? बताओ ऑनलाइन पोर्टल/व्यवस्था की भूमिका क्या है।
उत्तर – ऑनलाइन पोर्टल शिकायत दर्ज कराने, चाइल्ड ट्रेनिंग/मदद से जुड़ी गतिविधियों, और एनसीएलपी के कार्यान्वयन व मॉनीटरिंग में मदद करता है–जिससे निगरानी और कार्रवाई संभव होती है।

» कानून लागू करना–सुरक्षा का वास्तविक अर्थ

प्रश्न 17 (आसान). कानून लागू करना क्यों ज़रूरी है–सिर्फ़ कानून बनाना क्यों नहीं?
उत्तर – क्योंकि सुरक्षा तभी मिलती है जब नियमों की निगरानी हो और उल्लंघन पर रोक/सज़ा मिले; कागज़ पर नियम रहने से शोषण जारी रह सकता है।

प्रश्न 18 (आसान). गरीब/कमज़ोर मजदूरों के मामले में कानून लागू करना क्यों और महत्वपूर्ण है?
उत्तर – क्योंकि डर और कमज़ोरी की वजह से वे शिकायत नहीं करते, और मालिक उनकी मजबूरी का फायदा उठा सकते हैं।

प्रश्न 19 (मध्यम). यदि किसी निर्माण स्थल पर सही वेतन नहीं दिया जा रहा हो, तो कानून लागू करने के लिए सरकार की भूमिका लिखिए।
उत्तर – सरकार को कार्यस्थल का निरीक्षण/निगरानी करनी चाहिए, उल्लंघन का सबूत लेकर कार्रवाई और सज़ा सुनिश्चित करनी चाहिए, और शिकायत/सुरक्षा-व्यवस्था को प्रभावी बनाना चाहिए।

प्रश्न 20 (कठिन). समझाइए: बिना निरीक्षण और बिना दंड के सामाजिक न्याय कमजोर कैसे पड़ता है?
उत्तर – जब निरीक्षण नहीं होगा तो उल्लंघन पकड़ा नहीं जाएगा, और दंड न होने पर मालिकों को रोक नहीं लगेगी। डर के कारण मजदूर शिकायत नहीं करेंगे, इसलिए शोषण जारी रहेगा और कानून का उद्देश्य पूरा नहीं होगा।

» भोपाल गैस त्रासदी–लागत में कटौती और सुरक्षा की अवहेलना

प्रश्न 21 (आसान). लागत में कटौती अगर सुरक्षा उपकरणों में की जाए, तो खतरा कैसे बढ़ता है?
उत्तर – क्योंकि रिसाव होने पर रोकने/नियंत्रण और नुकसान घटाने की व्यवस्था कमजोर पड़ जाती है।

प्रश्न 22 (आसान). जब किसी फैक्ट्री में पहले रिसाव हो चुका हो फिर भी सुरक्षा पर ध्यान न दिया जाए, तो उसे 'दुर्घटना' क्यों नहीं कहा जा सकता?
उत्तर – क्योंकि बार-बार चेतावनी के बावजूद वही लापरवाही दोहराई गई।

प्रश्न 23 (मध्यम). पीड़ितों को न्याय/मुआवजे के लिए लंबे समय तक संघर्ष क्यों करना पड़ा होगा?
उत्तर – क्योंकि जवाबदेही और सही कार्रवाई देर से हुई/नहीं हुई; मालिक ने गलती मानने से इनकार किया और कानूनी प्रक्रिया लंबी चली।

प्रश्न 24 (कठिन). किसी कंपनी के 'सुरक्षा कानूनों की अवहेलना' के तीन सामाजिक परिणाम लिखो। (संकेत: सिर्फ तकनीकी नहीं, सामाजिक/मानवीय भी)।
उत्तर – 1) बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान और लोग लंबे समय तक बीमार/प्रभावित रहना 2) पीड़ितों को मुआवजा/न्याय के लिए संघर्ष करना 3) जनता को सुरक्षा पर भरोसा घटने और पर्यावरण/जीवन अधिकारों की चिंता बढ़ने।

» पर्यावरण की रक्षा–स्वस्थ पर्यावरण का अधिकार और नए कानून

प्रश्न 25 (आसान). स्वस्थ पर्यावरण के अधिकार को जीवन के अधिकार से कैसे जोड़ा गया है?
उत्तर – यह जीवन के मौलिक अधिकार (अनुच्छेद 21) का हिस्सा माना गया है–जिसमें प्रदूषण-मुक्त हवा और पानी का अधिकार भी शामिल है।

प्रश्न 26 (आसान). सरकार की जिम्मेदारी सिर्फ "नियम बनाना" नहीं, तो क्या और है?
उत्तर – कानूनों को लागू करना और निगरानी/कार्रवाई करके दोषियों पर दंड देना भी सरकार की जिम्मेदारी है।

प्रश्न 27 (मध्यम). अगर अदालत किसी उद्योग को बंद/शहर से बाहर भेज दे और मजदूरों की नौकरी चली जाए, तो समस्या क्यों बनती है?
उत्तर – क्योंकि समाधान का असर सिर्फ पर्यावरण तक सीमित न रहे; मजदूरों की रोज़ी-रोटी/सुरक्षा भी प्रभावित होती है, और प्रदूषण फिर नए इलाकों में उभर सकता है।

प्रश्न 28 (कठिन). आपके इलाके में धुआँ/प्रदूषण कम करने के लिए सरकार को कौन-कौन से कदम उठाने चाहिए, ताकि अधिकार भी मिले और अन्याय न हो?
उत्तर – प्रदूषण पर लगाम के लिए कड़े नियम लागू करना, दोषियों पर जुर्माना/दंड, उद्योगों को साफ तकनीक अपनाने हेतु प्रोत्साहन और मदद, और मजदूरों की सुरक्षा व रोज़गार बनाए रखने की व्यवस्था–ताकि स्वच्छ वातावरण का लाभ सबको मिले।

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक मजदूर को उसके काम के बदले महीने का minimum wage से कम पैसा देने का फैसला ठेकेदार करता है। क्या यह सही है? इस स्थिति में कानून का क्या मतलब निकलता है?

› पहले समझो बाजार में ताकत असमान हो सकती है: ठेकेदार के पास दबदबा, मजदूर के पास मजबूरी
› फिर देखते हैं कि मज़दूर का पैसा minimum wage से कम कर देना शोषण बनता है
› कानून के अनुसार किसी भी मजदूर को minimum wage से कम मजदूरी नहीं दी जा सकती
› इसलिए ठेकेदार द्वारा कम मजदूरी देना कानून के खिलाफ होगा

उत्तर – नहीं, यह सही नहीं है। ठेकेदार मजदूर को minimum wage से कम मजदूरी नहीं दे सकता–यह शोषण रोकने वाले कानून का उल्लंघन है।

उदाहरण 2. मान लो किसी राज्य में कानून के अनुसार न्यूनतम वेतन 250 रुपये प्रति दिन तय है। एक ठेकेदार मजदूर को 200 रुपये प्रति दिन देता है। क्या यह सही है? और कानून के हिसाब से मजदूर को कितना कम से कम मिलना चाहिए?

› दिया गया न्यूनतम वेतन कानून में तय न्यूनतम 250 रुपये है।
› ठेकेदार द्वारा दिया गया भुगतान 200 रुपये है, जो 250 से कम है।
› कानून के नियम के अनुसार न्यूनतम वेतन से कम मजदूरी देना गलत है।
› इसलिए मजदूर को कम से कम 250 रुपये प्रति दिन मिलना चाहिए।

उत्तर – नहीं, यह सही नहीं है। कानून के हिसाब से मजदूर को कम से कम 250 रुपये प्रति दिन मिलना चाहिए।

उदाहरण 3. एक कस्बे में बिजली उपकरण बेचने वाले दुकानदार घटिया क्वालिटी के बिजली के पंखे बेच रहा है, जिनमें सुरक्षा मानक पूरे नहीं हैं। साथ ही कुछ पंखे बहुत ज्यादा कीमत पर बेचे जा रहे हैं। कानूनों के हिसाब से बताओ–यह किस-किस तरफ की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा है और क्या किया जाना चाहिए?

› पहचानो: पंखों की 'सुरक्षा/गुणवत्ता' ठीक नहीं–यह उपभोक्ता सुरक्षा का मामला है।
› किताबी रूप में नियम: 'गुणवत्ता मानकों के अनुरूप' होना चाहिए, ताकि करंट/खतरा न हो।
› कीमत भी बहुत ज्यादा है–यह जरूरत की चीजों की 'कीमत नियंत्रण' जैसी व्यवस्था से जुड़ता है (स्थिति के हिसाब से जांच/नियमन)।
› अब यह भी ध्यान: अगर कारखाने/निर्माता घटिया सामान बेच रहा है तो उत्पादक पर नियम लागू होंगे कि वह मानक पूरे करे और उल्लंघन पर कार्रवाई हो।

› अंत में: सरकार/प्रशासन को निगरानी कर के उल्लंघन करने पर सजा/कार्रवाई सुनिश्चित करनी चाहिए, सिर्फ कानून बनाना काफी नहीं।

उत्तर – यह मामला उपभोक्ता सुरक्षा (गुणवत्ता मानक पूरे न होना) और कीमत/नियमन की तरफ जाता है। कानून के अनुसार उपकरणों की गुणवत्ता सुरक्षा मानकों के अनुरूप होनी चाहिए, और अधिक कीमत/अनियमित बिक्री होने पर जांच व नियमन/कार्रवाई होनी चाहिए; साथ ही निर्माता/उत्पादक को मानकों का पालन कराना जरूरी है।

उदाहरण 4. एक 12 साल का बच्चा रोज़ कपड़ा कटिंग वाली मशीन पर काम करता है। बताओ: क्या यह कानूनी रूप से स्वीकार्य है? और अगर 16 साल का किशोर उसी जगह केवल सहायता के लिए काम कर रहा हो (मशीन चलाना नहीं), तो क्या स्थिति अलग होगी?

› पहले 12 साल की उम्र देखो: 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों का सभी व्यवसायों में नियोजन प्रतिबंध है।

› इसलिए 12 साल के बच्चे का मशीन पर काम करना बाल श्रम रोकने वाले नियम के खिलाफ है।

› अब 16 साल के किशोर की बात: 14-18 के लिए नियम खास तौर पर जोखिमकारी/खतरनाक व्यवसायों में नियोजन पर रोक है।

› अगर काम मशीन/धुएँ/आग जैसी जोखिम में आता है, तो वह भी प्रतिबंध के दायरे में आएगा। अगर जोखिम बहुत कम है और काम खतरे में नहीं है, फिर भी जांच जरूरी है–पर 'खतरनाक' शर्त के बिना उसे जोखिमकारी नहीं माना जाएगा।

उत्तर – 12 साल के बच्चे का काम कानूनी रूप से स्वीकार्य नहीं है (14 से कम = सभी व्यवसायों में नियोजन प्रतिबंध)। 16 साल के किशोर के लिए स्थिति 'खतरनाक/जोखिमकारी काम' होने पर निर्भर है–अगर वह जोखिमकारी है तो नियोजन प्रतिबंधित होगा।

उदाहरण 5. किसी निर्माण कार्य में मजदूरों को काम के बदले सही वेतन नहीं मिल रहा है और कई मजदूर डर के कारण शिकायत नहीं करते। बताइए कि कानून लागू करने के लिए सरकार को क्या-क्या कदम उठाने चाहिए, ताकि सामाजिक न्याय हो सके।

› सुनिश्चित करें कि श्रम/सुरक्षा से जुड़े नियम सही तरीके से जाने और समझे जाएँ (जिससे मजदूरों को अधिकार पता हों)

› कार्यस्थल पर नियमित निरीक्षण (inspection/monitoring) हो–ताकि नियम पालन का सबूत मिले

› उल्लंघन होने पर शिकायत/साक्ष्य के आधार पर कार्रवाई और सज़ा तय हो

› डर के कारण शिकायत न करने वाले मजदूरों के लिए शिकायत-व्यवस्था तक पहुँच और संरक्षण मजबूत किया जाए

› निरीक्षण के निष्कर्षों के आधार पर आगे की निगरानी लगातार चले, सिर्फ़ एक बार की जाँच नहीं

उत्तर – सरकार को कार्यस्थल पर नियमित निरीक्षण और निगरानी करनी चाहिए, उल्लंघन पर प्रमाण के आधार पर सख्त कार्रवाई/सज़ा देनी चाहिए, और मजदूरों को डर से बाहर निकालकर शिकायत के रास्ते को प्रभावी बनाना चाहिए–तभी कानून का सही असर पड़ेगा और सामाजिक न्याय सुनिश्चित होगा।

उदाहरण 6. मान लो किसी कारखाने में सुरक्षा के 4 कदम हैं: (1) गैस-रिसाव अलार्म (2) सही उपकरणों की संख्या (3) सुरक्षा प्रशिक्षण (4) आपातकालीन स्थान पर ले जाने की व्यवस्था। कारखाना लागत बचाने के लिए (1) अलार्म कमजोर करता है, (2) उपकरणों की संख्या घटा देता है, (3) प्रशिक्षण 6 महीने से घटाकर बहुत कम कर देता है, और (4) आपात योजना नहीं बनाता। ऐसे में दुर्घटना होने पर नुकसान कैसा होगा–और क्यों? (कारण लिखो, सिर्फ 'नुकसान हुआ' नहीं)।

› समझो: रिसाव हो सकता है, और असल फर्क 'रोकना/कम करना' में आता है।

› अगर अलार्म कमजोर होगा तो रिसाव देर से पकड़ेगा, लोगों को बचाने की जल्दी नहीं होगी।

› उपकरणों की संख्या/स्थिति घटेगी तो रिसाव को नियंत्रण में लाने की क्षमता कम होगी।

› कम सुरक्षा प्रशिक्षण से कर्मचारी आपात स्थिति में सही कदम नहीं उठा पाएँगे।

› आपातकालीन स्थान की व्यवस्था न होने पर लोगों को सुरक्षित निकालने का रास्ता ही नहीं रहेगा।

› इसलिए दुर्घटना के समय नुकसान ज्यादा होगा और पीड़ित बढ़ेंगे; बाद में जवाबदेही/मुआवजा की लड़ाई भी लंबी हो सकती है।

उत्तर – नुकसान बहुत ज्यादा होगा, क्योंकि सुरक्षा के हर अहम हिस्से–जल्दी चेतावनी, नियंत्रण क्षमता, सही व्यवहार (ट्रेनिंग) और आपात निकासी–चारों कमजोर कर दिए गए हैं; इसलिए रिसाव देर से दिखेगा, रोका नहीं जा सकेगा, लोग घबरा कर गलत कदम लेंगे, और सुरक्षित निकालने की व्यवस्था भी नहीं होगी।

उदाहरण 7. एक शहर में कुछ उद्योग नियमों के हिसाब से नहीं चलते और यमुना/नदी का पानी दूषित हो रहा है। स्थानीय लोग अदालत में कहते हैं कि उन्हें प्रदूषण-मुक्त पानी और साफ हवा चाहिए। अदालत/सरकार को किस तरह कार्रवाई करनी चाहिए ताकि अधिकार भी मिले और रोज़ी-रोटी भी प्रभावित न हो?

› पहले समझो: प्रदूषण सिर्फ पर्यावरण नहीं, लोगों के जीवन/स्वास्थ्य को प्रभावित करता है—इसलिए यह अधिकार से जुड़ा मामला है।

› अदालत सरकार को निर्देश दे सकती है कि वह प्रदूषण पर लगाम के लिए कानून/प्रक्रियाएँ कड़े करे।

› दोषियों पर जुर्माना/कड़ी सज़ा जैसी कार्रवाई हो, ताकि प्रदूषण फैलाने की लागत बढ़े।

› साथ में यह भी जरूरी है कि उद्योगों को बिना योजना अचानक बंद करने से मजदूरों की रोज़ी-रोटी टूटे नहीं।

› इसलिए सरकार उद्योगों को साफ तकनीक अपनाने/अपग्रेड करने के लिए प्रोत्साहन और मदद दे, ताकि प्रदूषण घटे और रोजगार भी बना रहे।

› नतीजा: नदी/हवा साफ़ होने के साथ-साथ समुदाय और मज़दूरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

उत्तर – कार्रवाई का संतुलित मॉडल बने: (1) प्रदूषण पर रोक के लिए कड़े कानून/प्रक्रियाएँ, (2) दोषियों पर भारी जुर्माना, (3) उद्योगों को साफ तकनीक अपनाने हेतु मदद/प्रोत्साहन, और (4) मजदूरों/रोज़गार की सुरक्षा—ताकि स्वच्छ वातावरण का लाभ सबको मिले।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

- 5-mark answers में 'अनुचति तरीका रोकना + न्यूनतम वेतन + सामाजकि न्याय' लखिो।
- NCERT के प्रश्नों में यह लिखो: 'न्यूनतम वेतन—कम नहीं, और समय-समय पर बढ़ोतरी'।
- तालिका वाले बिंदु याद रखो: मजदूर/उपभोक्ता/उत्पादक—हर एक के लिए 2-2 बातें लिखो।
- उत्तर लिखते समय उम्र (14 से कम/14-18) और 'जोखिमकारी' शब्द जरूर लिखना।
- लिखें: 'कानून लागू करना' में inspection, monitoring और punishment शामिल होते हैं।
- बोर्ड पर कारण-परिणाम लिखो: सुरक्षा की अवहेलना + जवाबदेही की कमी = बड़ी त्रासदी/लंबा संघर्ष।
- बोर्ड में अनुच्छेद 21 से स्वस्थ पर्यावरण जोड़कर लिखो, साथ में सरकार की जिम्मेदारी और दंड का बिंदु भी जरूर।

एक नज़र में रिवीज़न

› ताकत असमान शोषण कानून (जैसे न्यूनतम वेतन)।

› Minimum से कम नहीं—यही न्यूनतम वेतन कानून है।

› मजदूर—वेतन+सुरक्षा; उपभोक्ता—क्वालिटी+कीमत; उत्पादक—जिम्मेदारी+नियम

› - 14 से कम: नो जॉब | 14-18: खतरनाक काम नो

› निरीक्षण + निगरानी + दंड = कानून का असली असर

› - Cost cut Safety cut; फरि भी चेतावनी नजरअंदाज।

› - अनुच्छेद 21: जीवन में "हवा+पानी" का अधिकार